''राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए ''अनुवाद टूल्स : भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ राजभाषा'' पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला



भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए **27 जनवरी, 2025 (सोमवार)** को संस्थान में **''अनुवाद टूल्स : भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ राजभाषा'' पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला** का आयोजन कम्प्यूटर लैब (LHC-502) में किया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के नोडल अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित ~50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का प्रारम्भ करते हुए श्रीमती इन्द्रमणि ने श्री अतुल व्यास (कुलसचिव), डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष), अतिथि वक्ता श्री केवल कृष्ण, श्री कुमार सौरभ (सहायक कुलसचिव, हिन्दी कक्ष) तथा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया।

डॉ. नीरज चौरसिया, अध्यक्ष (हिन्दी कक्ष) ने कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्थान का हिन्दी कक्ष इस तरह की कार्यशालाएं निरंतर करता रहता है। आज की इस कार्यशाला का उद्देश्य स्टाफ सदस्यों को हिंदी में कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करना है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में हिन्दी में कार्य करने के लिए कई सारे ई–टूल्स एवं सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। इनके प्रयोग ने आज हिन्दी में कार्य करना और भी आसान कर दिया है। इस कार्यशाला में आज हम भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ (मेमोरी आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर) के साथ–साथ कई अन्य ई–टूल्स के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा उनको कंप्यूटर पर इंस्टाल करके व कार्य करके देखेंगे। आज की कार्यशाला में आप हिंदी में कार्य करने में आ रही अपनी समस्याओं का समाधान कर सकेंगे तथा कुछ नया भी सीख सकेंगे। आपने अतिथि वक्ता का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि श्री केवल कृष्ण, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (NIC) नई दिल्ली से वरिष्ठ तकनीकी निदेशक के पद पर लंबे समय तक कार्यरत रहे। आपको भाषाई मानकीकरण तथा भाषाई तकनीकी के क्षेत्र में एक लंबा अनुभव है। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन में आपका विशेष योगदान रहा है।

श्री अतुल व्यास, कुलसचिव ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और आज के समय में अपना कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करना पहले से आसान हो गया है, हमें केवल प्रयास करने की आवश्यकता है। श्री केवल कृष्ण जी एक बहुत ही अच्छे और अनुभवी शिक्षक है। इनके समझाने का तरीका बहुत ही सहज है। आपने कहा कि आज बडी संख्या में प्रतिभागियों को देखकर मुझे अत्यन्त खुशी हो रही है। मुझे आशा है कि आज की इस कार्यशाला से आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। आपने कहा कि कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को अपने कार्यालयीन कार्य में अवश्य प्रयोग में लायें तभी कार्यशालाओं का उद्देश्य सार्थक होगा।

विभिन्न ई–टूल्स पर व्यापक चर्चा करते हुए श्री केवल कृष्ण जी ने अनुवाद टूल्सः भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ राजभाषा पर जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों ने इसका प्रैक्टिकल करके देखा। आपने यूनिकोड तथा गूगल वॉयस टाइपिंग, फोनेटिक एवं रेमिंग्टन टाइपिंग, तथा राजभाषा विभाग द्वारा विकसित विभिन्न ई–टूल्स की जानकारी प्रदान की और प्रतिभागियों की समस्याओं को दूर कर तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। आपने कहा कि हिन्दी सीखने के लिए लीला सॉफ्टवेयर एवं प्रवीण, प्रबोध, प्रज्ञा आदि उपलब्ध है। प्रतिभागियों ने उत्सुक्ता के साथ आपका व्याख्यान सुना तथा प्रैक्टिकल करके देखा।

डॉ. नीरज चौरसिया ने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को सभी प्रतिभागी अपने अन्य साथियों के साथ साझा करेंगे तथा इस ज्ञान को अपने दैनिक कार्यालयीन कार्य में प्रयोग में लाकर संस्थान में राजभाषा हिन्दी के कार्य को करने में भागीदारी करेंगे।

अन्त में, श्री कुमार सौरभ (सहायक कुलसचिव, हिन्दी कक्ष) ने अतिथि वक्ता श्री केवल कृष्ण, श्री अतुल व्यास (कुलसचिव), डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष) तथा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कार्यशाला का समापन किया।

– श्रीमती इन्द्रमणि